विश्व एड्स दिवस पर किया जागरुक

- एड्स संक्रमित व्यक्ति से दूर भागने की नहीं बल्कि संवेदनशीलता अपनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के फामेर्सी विभाग में विश्व एड्स दिवस पर गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार ने विद्यार्थियों को बीमारी से संबंधित बातों से अवगत कराया। सहायक शिक्षक दीपक कुमार ने बताया कि यह एक संक्रमक बीमारी है जो कि लाइलाज है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनों डिफिशिएंसी सिंड्रोम) एचआईवी वायरस से संक्रमित व्यक्ति के रक्त के सम्पर्क में आने से होने वाली बीमारी है। जोकि शरीर में वाइट ब्लड सेल्स के साथ मिलकर उस व्यक्ति के रोग प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर देता है।

एचआईवी पॉजिटिव होने के ज्यादातर मामले असुरक्षित यौन संबंध के चलते ही सामने आए हैं। इसके अलावा संक्रमित रक्त चढ़ाने व संक्रमित सुई का इस्तेमाल करने से भी संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। इस बीमारी से संक्रमित व्यक्ति से दूर भागने की नहीं बल्कि उनके प्रति संवेदनशीलता अपनाने की जरूरत है। सहायक शिक्षिका निर्मला यादव ने कहा कि संक्रमित व्यक्ति के साथ बैठने, खाना खाने या फिर हाथ मिलाने से यह बीमारी नहीं फैलती है। कार्यक्रम में शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों सहित करीब 70 विद्यार्थी उपस्थित रहे।